दृष्टि The Vision

19 AUG 2019

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19(JS)–ESY-E1

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: संदीप कुमार पटेल **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): हिन्दी **Reg. Number:** AWAKE-2019-C1

Center & Date: 18/07/2019 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 0867996

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: 125 × 2 = 250

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: 125 × 2 = 250

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

खंड–A / SECTION –A

1. अत्यधिक असमानता, आय की असमानता से ज़्यादा अवसरों की असमानता है।

   Excess of inequality is rather an inequality of opportunity than an inequality in income.

2. विश्व की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन भविष्य का ओपेक होगा।

   To meet the energy requirement of the world, the International Solar Alliance will be the OPEC of the future.

3. भारतीय संघवाद की सहकारी एवं जीवंत प्रकृति तथा इसके सम्मुख उपस्थित चुनौतियाँ।

   The cooperative and vibrant nature of Indian federalism and the challenges before it.

4. यदि हमें भविष्य के विनाश से बचना है तो विकास की दिशा को बदलना होगा।

   If we want to avoid the future destruction, we have to change the direction of our development.

खंड–B / SECTION –B

1. अपरीक्षित जीवन जीने योग्य नहीं।

   "The unexamined life is not worth living".

2. धरती ईश्वर की है और मानवता उसकी संरक्षक है न कि स्वामी।

   The earth belongs to God and humanity is its patron, not the master.

3. प्रार्थना करने वाले होंठ से ज़्यादा पवित्र मदद करने वाले हाथ होते हैं।

   The hands that serve are holier than the lips that pray.

4. नैतिकताविहीन धर्म आत्मारहित शरीर के समान है।

   Religion without ethics is like a body without soul.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–A / SECTION –A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. अत्यधिक असमानता, आय की असमानता से ज़्यादा अवसरों की असमानता है।

Excess of inequality is rather an inequality of opportunity than an inequality in income.

2. विश्व की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने के लिये अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन भविष्य का ओपेक होगा।

To meet the energy requirement of the world, the International Solar Alliance will be the OPEC of the future.

3. भारतीय संघवाद की सहकारी एवं जीवंत प्रकृति तथा इसके सम्मुख उपस्थित चुनौतियाँ।

The cooperative and vibrant nature of Indian federalism and the challenges before it.

4. यदि हमें भविष्य के विनाश से बचना है तो विकास की दिशा को बदलना होगा।

If we want to avoid the future destruction, we have to change the direction of our development.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

"अत्यधिक असमानता, आय की असमानता से ज्यादा अवसरों की असमानता है।"

मुझे अक्सर एक दिन की दो खबरें विचलित कर देती हैं जो विरोधाभासों से भरी हुई थीं। पहली खबर थी कि एक खेत में आलू की फसल कटने के बाद कुछ बच्चे बचे हुये छोटे-छोटे आलू के टुकड़ों को बीन रहे थे ताकि अपना क्षुधा से पीड़ित पेट शांत कर सकें। जबकि दूसरी खबर एक बड़े शहर में हुये एक अमीर आदमी की शादी से थी जहाँ आधा खाना बचा रह गया जिसे फेंकना पड़ा।

असमानता का यह चरम स्तर केवल भारत ही नहीं बल्कि हर देश में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दिख जाता है। क्या यह असमानता मात्र आय की असमानता है? या फिर परिस्थितिजन्य अवसरों के न मिल पाने से उपजी है? यह विचार करना पड़ेगा।

दरअसल असमानता से आशय विभिन्न लोगों के बीच प्रयुक्त संसाधनों से है जो वे अपने जीवन-यापन के लिये प्रयुक्त करते हैं। यह कई तरह से हो सकती है। जैसे- राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, लैंगिक, सांस्कृतिक।

चूँकि असमानता का उन्मूलन एक आदर्श स्थिति है किंतु एक सीमा तक इसे कम करना ही बेहतर समाज का मानदंड है।

आय की असमानता लोगों के बीच संपत्ति या मौद्रिक मान से तय होती है;

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

आय की असमानता को ही प्रायः अमीर एवं गरीब की व्यापेक्षता का मानक मान लिया जाता है।

'ऑक्सफेम की रिपोर्ट' के अनुसार भारत एवं विश्व में तीव्र गति से आय की असमानता बढ़ती जा रही है। लोग जो गरीब थे और गरीब हो रहे हैं एवं अमीरों के पास संपत्ति का हस्तांतरण हो रहा है। भारत के संदर्भ में यह स्थिति और भी भयावह है जहाँ 77% लोगों के पास केवल 10% संपत्ति है।

आय की असमानता के अतिरिक्त भारत में राजनीतिक असमानता प्रमुख है जहाँ कुछ वर्गों का प्रतिनिधित्व दिखता है। इसके साथ ही राजनीति में लैंगिक असमानता भी चिंता का विषय है जहाँ मात्र 14% महिलायें ही लोकसभा की प्रतिनिधि हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मूल प्रश्न है कि यह असमानता कैसे जन्म लेती है? विचार करने पर सामने आता है कि सभी प्रकार की असमानता चाहे वह आर्थिक, राजनीतिक या सामाजिक हो के मूल में जो असमानता है - वह है 'अवसरों की असमानता।'

संविधान की प्रस्तावना चाहे अवसर की समता सुनिश्चित करती हो किंतु सच यह है कि सभी नागरिकों को अवसर की समानता अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। यह अवसर की असमानता आय की असमानता से अधिक चिंताजनक है क्योंकि यह अन्य असमानताओं के जन्म का मूल कारण है।

अब हम समझते हैं कि कैसे अवसर की असमानता से अन्य असमानताएँ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जन्म लेती हैं, जो इसे अधिक चिंताजनक बनाती हैं।

किसी व्यक्ति के पास पर्याप्त अवसर न होने से उसका विकास रुक जाता है। मसलन यदि गुणवत्ता युक्त शिक्षा के अवसर प्राप्त न हो तो वह अच्छी नौकरी प्राप्त नहीं कर पायेगा एवं उन लोगों से प्रतिस्पर्द्धा नहीं कर पायेगा जो पहले से अच्छी शिक्षा प्राप्त करके आगे हैं। फलस्वरूप वह अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने में असमर्थ होगा एवं यह चक्र उसकी अगली पीढ़ी को भी भुगतना होगा।

राजनीतिक अवसर न मिलने पर नीति-निर्माता उसके वर्गों के प्रति ध्यान नहीं दे पायेंगे फलतः राजनीतिक असमानता भी बढ़ती जायेगी।

इसी तरह महिलाओं एवं वंचित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

वर्गों को पर्याप्त अवसर न मिलने से लैंगिक एवं सामाजिक विषमता बढ़ती जाएगी। इत्तरोत्तर यह अन्य प्रभाव जैसे गरीबी, बेरोजगारी, प्रतिक्रियावादी आंदोलन एवं हिंसा आदि के रूप में वृद्धि करेगी।

डॉ अंबेडकर ने कहा था कि, राजनीतिक असमानता से अधिक चिंताजनक आर्थिक एवं सामाजिक असमानता है। आर्थिक एवं सामाजिक असमानता का मुख्य कारण ही अवसरों की असमानता है।

अवसर की असमानता से आर्थिक विषमता उत्पन्न होती है। गरीबी एवं बेरोजगारी का दुश्चक्र बन जाता है। तीव्र आंदोलन, हिंसा पर उतारू हो जाते हैं अतः एक बेहतर राष्ट्र की प्रगति

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

में यह बाध्यक है। इसीलिए हर देश अवसर की समता सुनिश्चित करने के लिये प्रयासरत है।

भारत ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करने हेतु मूल अधिकारों एवं नीति-निदेशक तत्वों का प्रावधान किया। अवसर की समता सुनिश्चित करने के लिये आरक्षण का प्रावधान किया गया ताकि समाज के वंचित एवं पिछड़े वर्गों के लिये शिक्षा एवं रोजगार में अवसर प्रदान किये जा सकें। एक कदम और बढ़ते हुये 103 वाँ संशोधन के माध्यम से इसे आर्थिक आधार पर कमजोर वर्गों के लिए भी लागू किया गया।

सामाजिक न्याय सुनिश्चित

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

करना समानता की दिशा में प्रमुख कदम है। अतः भारत नीति-निदेशक तत्वों एवं विभिन्न योजनाओं के माध्यम से अवसर की समता स्थापित करने का प्रयास करता है। सर्वशिक्षा अभियान, जन वितरण प्रणाली, खाद्य सुरक्षा, उज्जवला योजना, सौभाग्य योजना, कौशल भारत-कुशल भारत, स्टैंड अप इंडिया, मुद्रा योजना, फसल बीमा, सिंचाई योजना, आयुष्मान भारत योजना आदि कार्यक्रम सरकार द्वारा चलाये जा रहे हैं, जो समानता की दिशा में बेहतर कदम हैं।

अन्य देशों की बात करें तो अमेरिका भी अपने प्रेफेरेंशियल सिस्टम के माध्यम से अश्वेतों को अवसर की समता सुनिश्चित करता है। दक्षिण अफ्रीका में भी ऐसे प्रावधान है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

राष्ट्रों के मध्य व्याप्त असमानता को भी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के माध्यम से दूर करने का प्रयास किया जाता है। मसलन 'विश्व व्यापार संगठन' में अल्प विकसित देशों को अधिमान्य व्यापार लाभ दिया जाता है साथ ही अल्प विकसित देशों को विकसित देशों द्वारा विशेष रियायतें दी जाती हैं। क्योंकि 'कहीं पर भी असमानता सभी जगह के लिये खतरा है।'

स्पष्ट है कि असमानता कहीं पर भी, किसी भी रूप में हो, प्रगति एवं कल्याण में बाधक है। अवसरों को उपलब्ध कराकर समाज में समानता प्रदान की जा सकती है। अवसरों की समानता से हम सतत विकास लक्ष्यों- लैंगिक समानता एवं अन्य असमानताओं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

को कम कर सकते हैं। अतः सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयासों के माध्यम से वंचित वर्गों के प्रति सहृदयता की भावना से इस दिशा में प्रयास किये जाने चाहिये। लोगों को उचित एवं पर्याप्त अवसर प्रदान कर असमानता को अत्यधिक कम किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–B / SECTION –B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. अपरीक्षित जीवन जीने योग्य नहीं।
"The unexamined life is not worth living".

2. धरती ईश्वर की है और मानवता उसकी संरक्षक है न कि स्वामी।
The earth belongs to God and humanity is its patron, not the master.

3. प्रार्थना करने वाले होंठ से ज़्यादा पवित्र मदद करने वाले हाथ होते हैं।
The hands that serve are holier than the lips that pray.

4. नैतिकताविहीन धर्म आत्मारहित शरीर के समान है।
Religion without ethics is like a body without soul.

*

"नैतिकताविहिन धर्म आत्मारहित शरीर के समान है।"

उपर्युक्त शीर्षक पढ़ने से कई प्रश्न उभरने लगते हैं कि धर्म और नैतिकता का क्या संबंध है? क्या धर्म बिना नैतिक हुये पालन किया जा सकता है? नैतिकता से क्या अभिप्राय है? क्या आत्मा सत्य है एवं आत्मा रहित शरीर और अनैतिकता युक्त धर्म समान है?

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उपर्युक्त प्रश्नों के एक से अधिक उत्तर एवं व्याख्याएँ संभव हैं, जो इस शीर्षक को विवेचित करने में सहायक होंगी।

सबसे पहले धर्म पर विचार करते हैं। ध्यातव्य है कि धर्म की दो व्याख्याएँ संभव हैं - एक पश्चिमी दर्शन के अनुसार एवं दूसरी भारतीय दर्शन के अनुसार।

पश्चिम में धर्म का संबंध ईश्वर संबंधी मान्यताओं से है जिसके अंतर्गत ईश्वर सर्वश्रेष्ठ होता है और जो ईश्वर में आस्था रखता है वह धार्मिक है। सभी सामी धर्म, धर्म की इसी मान्यता को मानते हैं अतः उनके अनुसार केवल एक ही धर्म सच्चा है एवं अन्य धर्म झूठे हैं। यहाँ सामी धर्मों का संबंध नैतिकता की बजाय कट्टरता एवं ईश्वर में तीव्र आस्था

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

से है जो उन्हें अन्य धर्मों के प्रति असहिष्णु भी बना देता है।

भारत में धर्म का अर्थ ध्र धातु से है जिसका अर्थ है धारण करना। अर्थात धर्म का संबंध उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यपरायणता से है। यह कर्तव्य ईश्वर, माता, पिता, व्यापार, खेल सभी पक्षों से संबंधित है। अतः भारत में नैतिकता, सत्य, परोपकारिता, अहिंसा, कर्तव्यपरायणता आदि गुण धर्म के अनिवार्य अंग हैं। यहाँ नैतिकताविहिन आचरण अधर्म है। इसी धर्म के संबंध में महात्मा गाँधी कहते हैं कि राजनीति और धर्म का अनिवार्य संबंध है। क्योंकि जो व्यक्ति धार्मिक होगा वह स्वार्थी, लोलुप, भ्रष्टाचारी एवं अनैतिक नहीं हो सकता। अतः जीवन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के प्रत्येक पक्ष में धर्म का योगदान सकारात्मक होगा ।

शरीर में आत्मा होने से तात्पर्य है कि व्यक्ति में करुणा, समानुभूति, सहृदयता के गुण विद्यमान हैं । मसलन यदि शरीर आत्मायुक्त है तो वह नैतिकता युक्त भी होगा । वहीं आत्मारहित शरीर से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो स्वार्थी, कठोर हृदय एवं अनैतिक गुणों से युक्त है । ऐसे व्यक्ति अपने लाभ के लिये किसी भी हद तक जा सकते हैं ।

इसी तरह यदि धर्म में नैतिकता का अभाव होगा तो वह धर्म अन्य धर्मों के प्रति असहिष्णु होगा । ऐसे व्यक्ति अपने धर्म को लेकर अत्यधिक कट्टर होते हैं एवं दूसरे धर्म को खाम

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

करना अपनी विजय समझते हैं। साथ ही ऐसे लोग धर्म का उपयोग सामाजिक सद्भाव के लिये नहीं वरन् अपने फायदे के लिये करते हैं जिसमें राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक लाभ छिपा रहता है। अमीर खुसरो ऐसे पाखंडियों पर व्यंग्य करते हुये कहते हैं –

" उज्जल बरन, अधीर तन,
निर्मल हीर शरीर।
~~छिपट पाप की खान~~।
देखत में तो साधु हैं,
निपट पाप की खान।"

इस तरह नैतिकता विहीन धार्मिक व्यक्ति ठीक उसी तरह होता है जैसे आत्मारहित शरीर से युक्त व्यक्ति होता है क्योंकि दोनो ही समाज, देश, विश्व एवं स्वयं के पतन का कारण बनते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यूरोप के इतिहास में धर्म के इसी अनैतिक स्वभाव के कारण 'ईसाई बनाम इस्लाम' धर्म युद्ध हुए। दोनों ही धर्म एक-दूसरे के धर्म के प्रति असहिष्णु थे जिसका परिणाम हिंसा एवं युद्ध के रूप में सामने आया।

वर्तमान में विभिन्न देशों में फैला धार्मिक आतंकवाद भी इसी का उदाहरण है। इस्लामिक आतंकवाद विश्व में सीरिया, ईराक जैसे देशों में तो है ही हाल ही में न्यूजीलैण्ड, श्रीलंका जैसे देशों में धार्मिक आतंकवाद देखा गया। धार्मिक आतंकवाद का भी एक कारण धर्म में नैतिकता का अभाव है फलस्वरूप यह व्यक्तियों को आत्मा से रहित बनाता है और इनके प्रमुख इन लोगों को अपने राजनीतिक एवं आर्थिक लाभ के लिये उपयोग करते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत में भी धर्म के आधार पर ऐसी घटनाएँ हुई हैं जो भारतीय धार्मिक चिंतन के विपरीत है। भारत का विभाजन, 1984 के दंगे, बाबरी मस्जिद का ढहना, गोधरा कांड आदि बड़ी सांप्रदायिक घटनाएँ हैं जो नैतिकताविहीन धर्म को उजागर करती हैं।

ऐसे लोग भारत में धर्म की असली परिभाषा को भूल जाते हैं। जिसके मूल में सामासिकता है। प्राचीन काल से भारत ने विभिन्न धर्मों के लोगों को अपनाया है एवं उनको अपनी संस्कृति में पिरोया है। कुषाणों, शकों, तुर्कों, मुगलों, अंग्रेजों आदि का भारतीय संस्कृति में विलय हुआ है और एक सामासिक, विविधतायुक्त भारतीय संस्कृति का निर्माण हुआ जिसकी प्रमुख

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विशेषता ही सहिष्णुता, सद्भावना एवं अहिंसा रही है।

'वसुधैव कुटुंबकम' का सूत्र वाक्य भारत में आदिकाल से प्रचलित है जिसके फलस्वरूप भारतीय धर्मों- हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख, ईस्लाम एवं ईसाई आदि ने एक-दूसरे को गले लगकर अपनाया है।

किंतु कुछ लोग भारत के इस 'विविधता में एकता' के विचार से सहमत नहीं होते और धर्म के नाम पर एक धर्म की श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहते हैं। ऐसे कट्टर लोग प्राय: आत्मारहित शरीर के होते हैं जो ~~एक~~ अनैतिक कार्य, हिंसा, आतंक का माहौल बनाकर अन्य धर्मों के लोगों को भय दिखाते हैं। दरअसल ये लोग उस

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

'आइडिया ऑफ इंडिया' को नहीं मानते जो बुद्ध, महावीर, शंकराचार्य, कबीर, गाँधी के विचारों से निर्मित है। फलतः इनके कृत्य राष्ट्र की प्रगति में बाधक बनते हैं एवं आपसी सामाजिक विश्वास कम होता है जो इतने वर्षों की अंतर्क्रिया से बनता है।

नैतिकताविहीन धर्म का एक अन्य दुष्प्रभाव यह भी होता है कि समाज में धर्म का व्यापार होने लगता है। कुछ लोगों का इस पर एकाधिकार हो जाता है एवं ये लोग धर्म के माध्यम से सभी अनैतिक कार्यों को करते हैं एवं उसे सही साबित भी करते हैं। धर्म का मुख्य उद्देश्य धन कमाना हो जाता है। समाज में जागरूकता एवं शिक्षा का स्तर कम होने के कारण

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

लोग जल्दी बहकावे में भी आ जाते हैं फलत: धर्म के माध्यम से अनैतिक व्यापार चलता रहता है। देवदासी प्रथा, झाड़-फूंक, ~~बाबा~~ व बाबाओं के कार्यक्रम अभी भी प्रचलित हैं जो पूर्णत: अनैतिक होते हैं।

स्पष्ट है कि नैतिकताविहीन धर्म किसी भी समाज में चिंताजनक है अत: धर्म की सही परिभाषा को लोगों के मध्य प्रचारित किया जाना चाहिये। भारत जैसे बड़े देश में कुछ घटनाऐं जो धर्म के नाम पर अनैतिक होती हैं, संभव हैं किंतु बृहद स्तर पर इसे नियंत्रित करने के लिये धर्म को नैतिकता, उत्तरदायित्व, कर्तव्यपरायणता से जोड़ना चाहिये।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation